## मौखिक

**क.** वर्षा की पहली बूँद सूखी धरती पर अमृत के समान आकर गिरती है। उसे नया जीवन देती है। धरती के भीतर सोए बीजों में से अंकुर फूट पड़ते हैं।

**ख.** वर्षा ऋतु में काले बादल आसमान में घिर आते हैं। पानी से भरे ये बादल ऐसे प्रतीत होते हैं मानो समुद्र बिजलियों के सुनहरे पंख लगाकर उड़ रहा हो।

**ग.** आकाश को नीली आँखों के समान और बादलों को उन आँखों की काली पुतली के समान बताया गया है।

**घ.** बूढ़ी धरती अर्थात सूखी धरती पुनः शस्य-श्यामला (हरी-भरी) बनने को ललचा गई है।

## लिखित

**क.** i. **धरती** पर चारों ओर हरियाली छा जाती है। धरती खिली-खिली और निखरी-सी दिखाई देती है।

ii. **वायु** शीतल और मादक सुगंधवाली बन जाती है।

iii. **दूब** हरी-भरी होकर ऐसे लगती है जैसे हरा गलीचा बिछा हो।

iv. **पेड़-पौधों** में नवजीवन आ जाता है। डालियाँ कोमल नवीन पत्तों से भर जाती हैं। हरीतिमा से प्रकृति में ताज़गी का आभास होता है।

v. **पक्षी** चहचहाकर और उड़ान भरकर अपनी प्रसन्नता प्रकट करते हैं।

**ख.** बुढ़ापे में आदमी सुस्त और निढाल हो जाता है, उसमें उत्साह नहीं रहता। इसी प्रकार भीषण गरमी के कारण धरती पर चारों ओर सूखापन और उदासी दिखाई दे रही है। धरती को 'बूढ़ी' कहने का यही तात्पर्य है।

**ग.** कविता की पंक्तियाँ—

i. धरती के सूखे अधरों पर, गिरी बूँद अमृत-सी आकर।

ii. नीले नयनों-सा यह अंबर काली-पुतली से ये जलधर।

**पद्यांश पर आधारित प्रश्नोत्तर—**

i. आकाश में जल से भरे बादलों में बिजली चमक रही है इसीलिए बिजली के परों को स्वर्णिम कहा गया है।

ii. बादल नगाड़े बजा-बजाकर धरती की तरुणाई को जगा रहे हैं।

iii. अंबर की तुलना नीले नयनों से और जलधर की तुलना काली पुतली से की गई है।

iv. बादल ने वर्षा की बूँदों से धरती की प्यास बुझाई।

## सही विकल्प चुनकर ✓ लगाइए—

**क.** पहली बूँद के धरा पर आने का क्या प्रभाव पड़ा? ☑ अंकुर फूट पड़े।

**ख.** 'वसुंधरा की रोमावलि' किसे कहा गया है? ☑ हरी दूब को

**ग.** पहली बूँद के धरा पर आने से बूढ़ी धरती के मन में क्या इच्छा उठी? ☑ शस्य-श्यामला बनने की